संपादकीय

काहिली का कहर

दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्रों में वायु प्रदूषण की घातक स्थिति के मद्देनजर सोमवार को सुप्रीमकोर्ट की तल्ख टिप्पणियां सत्ताधीशों की आंखें खोलने वाली हैं। काहिली की हद है कि साल-दर-साल बढ़ती वायु प्रदूषण की समस्या अक्त ूबर-नवंबर में चरम पर होती है और सरकारें हवा में हाथ-पैर मारती नजर आती हैं। सोमवार को दिल्ली में निजी वाहनों को नियंत्रित करने वाली ऑड-ईवन योजना फिर शुरू करने के प्रभाव कितने कारगर होंगे, कहना मुश्किल है। सोमवार को जस्टिस अरुण मिश्रा की अध्यक्षता वाली पीठ ने इस मुद्दे पर दायर याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान सरकारों को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि वायु प्रदूषण की स्थिति हमारे जीवन के अधिकार का गंभीर उल्लंघन है। हम घर में भी सुरक्षित नहीं हैं। जस्टिस मिश्रा ने कहा कि राज्य सरकारें और स्थानीय निकाय अपनी जिम्मेदारी से चूके हैं। कोर्ट ने पराली जलाने व प्रदूषण की स्थिति को लेकर पंजाब, उत्तर प्रदेश व हरियाणा के मुख्य सचिवों को तलब किया। दिल्ली सरकार को विशेषज्ञों की मदद से प्रदूषण पर नियंत्रण पर रोक लगाने की नसीहत देते हुए ऑड-ईवन योजना के औचित्य और उपादेयता पर सवाल भी उठाये। कोर्ट ने चेताया कि कोई व्यक्ति एनसीआर में निर्माण और तोड़फोड़ पर लगी रोक का उल्लंघन करते पाया जाये तो उस पर एक लाख का जुर्माना लगे। साथ?ही कूड़ा जलाने वाले पर पांच हजार का जुर्माना लगाया जाये। दुखद है कि लोगों का प्रदूषण से दम घुट रहा है और सरकारें राजनीतिक बयानबाजी कर रही हैं। यह स्थिति किसी भी सभ्य समाज के लिये शर्मनाक ही है। इसके बावजूद हर साल प्रदूषण की समस्या जस की तस खड़ी नजर आती है। सवाल है कि वायु प्रदूषण के चिंताजनक स्तर तक पहुंचने के बाद हेल्थ एमरजेंसी घोषित करने तथा ऑड-ईवन योजना लागू करने से क्या वाकई प्रदूषण नियंत्रित हो पायेगा? क्या स्कूल-कालेज कुछ दिनों के लिये बंद करना इसका समाधान है? यही वजह है कि सुप्रीमकोर्ट ने शुक्रवार तक ऑड-ईवन योजना के प्रभावों का डाटा पेश करने का आदेश दिल्ली सरकार को दिया है। साथ ही केंद्र व राज्य सरकारों द्वारा उठाये गये कदमों की जानकारी भी मांगी गई है। कोर्ट ने कहा कि यह बर्दाश्त से बाहर है कि हम दलीलें देते रहे हैं कि आप दिल्ली न आएं, आप दिल्ली छोड़ दें। हर साल अक्त ूबर में पराली और पटाखे जलाये जाने को प्रदूषण का कारण बताया जाता है। सवाल है कि सरकार ने किसानों को पराली को जलाने से रोकने के लिये क्या विकल्प दिया। किसान भी मजबूरी में पराली जलाता है। सरकार या तो कारगर विकल्प दे अथवा स्वयं पराली खरीदे। यह भी देखने में आया है कि पंजाब में पराली के विकल्प के जो दावे किये जा रहे थे, हकीकत में वे सिर्फ कागजों में नजर आये। सवाल यह भी है कि वायु प्रदूषण रोकने के उपक्रम साल भर क्यों नहीं किये जाते? वायु प्रदूषण बढ़ाने वाले कारकों को लेकर समग्र नीति क्यों नहीं बनायी जाती? एनजीटी व शीर्ष अदालत के निर्देशों पर सालभर काम क्यों नहीं किया जाता? आग लगने पर कुआं खोदने की प्रवृत्ति से सरकारें कब मुक्त होंगी? केंद्र व राज्य सरकारों को एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाने के बजाय एक साथ मिलकर काम करना चाहिए। सही मायनो में जानलेवा वायु प्रदूषण हमारी सामूहिक विफलता का ही परिचायक है। सत्ताधीशों को अहसास होना चाहिए कि यह न केवल आम लोगों के जीवन से खिलवाड़ है बल्कि हम विदेशों में देश की छवि धूमिल कर रहे हैं। सच यह है इस मुद्दे पर बातें ज्यादा और काम कम हो रहा है। तमाम उपायों के बावजूद पंजाब में इस साल ज्यादा पराली जलाया जाना इसी नाकामी का परिचायक है।

आर्थिक मोर्चे पर भारत को एक और झटका, मूडीज ने घटाई रेटिंग

मुंबई ,08 नवंबर। मूडीज इन्वेस्टर्स सर्विस ने भारत की रेटिंग पर अपना परिदृश्य बदलते हुए इसे स्थिर से नकारात्मक कर दिया है। पहले के मुकाबले आर्थिक वृद्धि के बहुत कम रहने की आशंका है। एजेंसी ने भारत के लिए बीएए2 विदेशी-मुद्रा एवं स्थानीय मुद्रा रेटिंग की पुष्टि की है। रेटिंग एजेंसी ने एक बयान में कहा, परिदृश्य को नकारात्मक करने का मूडीज का फैसला आर्थिक वृद्धि के पहले के मुकाबले काफी कम रहने के बढ़ते जोखिम को दिखाता है। मूडीज के पूर्व अनुमान के मुकाबले वर्तमान की रेटिंग लंबे समय से चली आ रही आर्थिक

एवं संस्थागत कमजोरी से निपटने में सरकार एवं नीति के प्रभाव को कम होते हुए दिखाती है। जिस कारण पहले ही उच्च स्तर पर पहुंचा कर्ज का बोझ धीरे-धीरे और बढ़ सकता है। इसके पहले अक्टूबर में ही मूडीज इनवेस्टर्स सर्विस ने 2019-20 में त्नष्ठक्क ग्रोथ के अनुमान को घटाकर 5.8 फीसदी कर दिया था। मूडीज की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि पहले के मुकाबले भारतीय अर्थव्यवस्था में जोखिम बढ़ गया है, इसलिए आउटलुक को घटाने का फैसला किया है। आपको बता दें कि दुनिया की अन्य बड़ी रेटिंग एजेंसी फिच और एसएंडपी ने भारत के आउटलुक को स्टेबल रखा है।

अब क्या होगा

कैपिटल सिंडिकेट के मैनेजिंग पार्टनर पशुपति सुब्रमण्यम ने बताया है कि रेटिंग एजेंसी के इस फैसले से खास असर नहीं होगा, क्योंकि अब दुनियाभर की अर्थव्यवस्था में सुधार के संकेत मिल रहे है। क्योंकि, ब्याज दरें घटाने के बाद निवेशकों का भरोसा भी लौटा है। इसीलिए शेयर बाजार में तेजी आई है। भारत में विदेशी निवेशकों ने अक्टूबर महीने में करीब 8595.66 करोड़ रुपये लगाए हैं। वहीं, नवंबर में अभी तक 2,806.10 करोड़ रुपये का निवेश कर चुके हैं। वीएम पोर्टफोलियो के हेड विवेक मित्तल कहते हैं कि मौजूदा तिमाही में भी जीडीपी ग्रोथ पर दबाव रह सकता है। लेकिन अगले साल के शुरुआती महीनों में भारतीय अर्थव्यवस्था फिर से पटरी पर लौट सकती है।

ऑयलमील निर्यात अक्टूबर में 55 फीसदी घटा

नई दिल्ली। भारत का ऑयलमील निर्यात बीते महीने अक्टूबर में पिछले साल के इसी महीने के मुकाबले 55 फीसदी कम रहा। भारत ने इस साल अक्टूबर में आयॅलमील यानी खल का कुल निर्यात 1,05,085 टन किया जबकि पिछले साल इसी महीने में ऑयलमील का कुल निर्यात 2,33,867 टन किया था। ऑयलमील निर्यात के ये आंकड़े खाद्य तेल उद्योग संगठन सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स ऑफ इंडिया ने संकलित किए हैं। आंकड़ों के अनुसार, इस साल अप्रैल से लेकर अक्टूबर तक भारत ने 13,92,564 टन ऑयलमील का निर्यात किया है जबकि

पिछले साल इसी अवधि में देश से ऑयलमील का निर्यात 17,32,916 टन हुआ था। इस प्रकार चालू वित्त वर्ष के आरंभिक सात महीने में ऑयलमील के निर्यात में पिछले साल के मुकाबले 24 फीसदी की गिरावट आई है। उद्योग संगठन के अनुसार, भारत का ऑयलमील महंगा होने के कारण दुनिया के बाजारों में प्रतिस्पर्धा में नहीं टिक पाता है और इसकी मांग कम हो जाती है।

एसबीआई ने दिया ग्राहकों को झटका, फिर एफडी ब्याज दरों में हुई कटौती

मुंबई। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने अपने 42 करोड़ ग्राहकों को झटका दिया है। बैंक ने सभी तरह के फिक्स डिपाजिट में ब्याज दरों पर कटौती करने का फैसला लिया है। ब्याज दरों में 0.05 प्रतिशत तक कटौती करने की घोषणा की गई है। इसके साथ ही बैंक ने जमा रकम की ब्याज दरों में 0.15-0.75 तक की भारी कटौती की है। जानकारी के अनुसार बैंक की नई दरें 10 नवंबर से लागू होंगी। बैंक ने चालू वित्त वर्ष में लगातार सातवीं बार कर्ज पर ब्याज दर में कटौती है। स्टेट बैंक ने बयान में कहा कि इस कटौती के साथ एक साल के ऋ्रष्टा का एमसीएलआर कम होकर 8 प्रतिशत पर आ जाएगा। बैंक ने सावधि जमा पर भी अपनी ब्याज दरों में बदलाव किया है। उसने 1 साल से 2 साल तक की अवधि वाले खुदरा सावधि जमा पर ब्याज दर में 0.15 प्रतिशत की कटौती की है।

जीएसटी को लेकर आज से लागू हुआ ये नया नियम, कारोबारियों पर पड़ेगा सीधा असर

नई दिल्ली। मोदी सरकार ने इनकम टैक्स के बाद अब जीएसटी में डीआईएन यानी डॉक्यूमेंट आइडेंटिफिकेशन नंबर को लागू कर दिया है। देश के बिजनेसमैन के हितों की सुरक्षा के लिए ये कदम उठाया गया है। सीबीआईसी के आदेश के मुताबिक, डिन का इस्तेमाल उन जीएसटी मामलों में होगा, जिनकी इन्क्वायरी चल रही है और उनमें अरेस्ट और सर्च वारंट जारी हो चुका है। CBIC के मुताबिक, 8 नवंबर के बाद जो भी कागज जारी होगा उस पर डिन देना

जरूरी है।

अब ये होगा

वित्त मंत्रालय की पहल के बाद इसे शुरू किया जा रहा है। अब विभाग से जारी हर नोटिस पर कंप्यूटर जेनरेटेड डॉक्यूमेंट आइडेंटिफिकेशन नंबर (DIN) होगा। साथ ही, अब नए फैसले के तहत अब ये नंबर टैक्सपेयर्स को मिले वाले सभी डॉक्युमेंट पर भी जरूरी हो गया है। यह सिस्टम टैक्स एडमिनिस्ट्रेशन में अधिक जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित करेगी।

क्या है डिन

टैक्स डिपार्टमेंट अब जो नोटिस जारी करता है उसमें छ्ठ्ठह कंप्यूटर जेनरेटेड डॉक्यूमेंट आइडेंटिफिकेशन नंबर होता है। अगर किसी भी नोटिस पर ये नंबर नहीं है तो वो वैलिड नहीं है।

संजय गुप्ता बने गूगल इंडिया के नए कंट्री मैनेजर और वाइस प्रेसिडेंट, देश को लेकर है बड़ा लक्ष्य

नई दिल्ली। आर्थिक जगत से बड़ी खबर है। गूगल इंडिया ने संजय गुप्ता को अपना नया कंट्री मैनेजर और वाइस प्रेसिडेंट) नियुक्त किया है। एक बायन में गूगल की ओर से कहा गया है कि संजय गुप्ता भारत में इंटरनेट के इकोसिस्टम को बढ़ाने में मदद करेंगे। साथ ही, बिजनेस को बढ़ाने और इंटरनेट को बढ़ावा देने के गूगल की ओर से हो रहे प्रयासों में योगदान करेंगे। बता दें कि संजय गुप्ता इससे पहले डिजनी और स्टार को अपनी सेवाएं दे चुके हैं। राजन आनंदन के इस्तीफे के बाद से गूगल इंडिया अपना नया कंट्री मैनेजर और वीपी ढूढ़ रहा था। पिछले 8 महीने से ये पद खाली था। गूगल को छोड़ने के बाद राजन आनंदन ने वेंचर फंड कंपनी सिक्योइया कैपिटल को जॉइन किया है। संजय

गुप्ता इससे पहले स्टार और डिज्नी के मैनेजिंग डायरेक्टर रह चुके हैं. भारत में हॉटस्टार के पॉपुलैरिटी के पीछे इनका अहम रोल बताया जाता है। गूगल के मुताबिक संजय मुंबई में रह कर गूगल की गुड़गांव और हैदराबाद की टीम के साथ काम करेंगे। अगले साल की शुरुआत से वो अपने इस पद को संभालेंगे।

कभी भीड़ भरी बसों में तो कभी साइकल चलाकर गुड़गांव से दिल्ली तक आते थे राजकुमार राव

राजकुमार राव ने अपने शानदार और जानदार परफॉर्मेंस के बल पर फिल्मी दुनिया में एक अलग पहचान बनाई है, हालांकि इंडस्ट्री में एंट्री उनके लिए इतना आसान न था।

फिल्म इंडस्ट्री में अपने स्ट्रगल वाले दिनों को याद करते हुए फिल्मफेयर को राव ने बताया, मेरे स्ट्रगल की शुरुआत दिल्ली से हुई थी। मैं गुड़गांव से हूं और मैं भीड़ भरी बसों में सफर का आदी था और कई बार तो साइकल से ही गुड़गांव से मंडी हाउस तक आ जाया करता था। मेरे स्ट्रगल की शुरुआत वहीं से हुई। जब मैं मुंबई दो साल के लिए आया तो यहां मुश्किलें ही मुश्किलें थीं। मैं काफी लोगों से मिला और कइयों के रिजेक्शन को भी झेला। मेरे लिए ये रास्ते इतने आसान न थे। इन मुश्किलों के बावजूद राजकुमार ने इंडस्ट्री में जो सफलता पाई है, उसे अपने सिर नहीं चढ़ने दिया है। अपने स्टारडम के बारे में बातें करते हुए उन्होंने कहा, मैं इसे इम्पॉर्टेंस नहीं देता। मैं काफी खुश हूं क्योंकि अब मैं जहां भी जाता हूं मुझे काफी प्यार मिलता है। यह प्यार अनमोल है। इसके लिए मैं धन्यवाद व्यक्त करता हूं। इन सबके अलावा जब मैं सेट पर होता हूं या फिर घर पर होता हूं, तो मैं कुछ भी नहीं सोचता। मैं सिर्फ खुद में जीता हूं। मैं एक नॉर्मल इंसान हूं और बेहद नॉर्मल लाइफ जीता हूं। मैं बस केवल अपना काम करता हूं और कुछ नहीं। राजकुमार राव आखिरी बार फिल्म मेड इन चाइना में दिखे, जो दिवाली के मौके पर रिलीज़ हुई थी।

आज का राशिफल

मेषः- यात्रा लाभदायक रहेगी। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। धन प्राप्ति सुगम होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेंगे। आशंका-कुशंका रहेगी। घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

वृषः- कार्यस्थल पर सुधार व परिवर्तन हो सकता है। योजना फलीभूत होगी किंतु तत्काल लाभ नहीं मिलेगा। मित्रों व संबंधियों की सहायता कर पाएंगे।

मिथुनः- किसी तीर्थस्थान के दर्शन हो सकते हैं। अध्यात्म में रुचि रहेगी। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति अनुकूल बनेगी। कारोबारियों को लाभ के अवसर बढ़ेंगे। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

कर्कः- स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। यात्रा यथासंभव टालें। दूसरों के काम में हस्तक्षेप न करें। शत्रु सक्रिय रहेंगे।

सिंहः- पति-पत्नी में संबंध मधुर होंगे। राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। रुके कार्यों में गति आएगी। छोटे भाइयों व मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। किसी के झगड़ों में न पड़ें। विवाद से क्लेश संभव है।

कन्याः- भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होकर स्थिति अनुकूल होगी। स्थायी संपत्ति के बड़े सौदे हो सकते हैं। प्रसन्नता व संतुष्टि रहेंगे। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी।

तुलाः- विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। शैक्षणिक व शोध कार्य मनोनुकूल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद प्राप्त हो सकता है। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। जल्दबाजी में कोई कार्य न करें। थकान रह सकती है।

वृश्चिकः- नए संबंध बनाने के पहले विचार कर लें। नौकरी में समस्याएं आ सकती हैं। कार्यभार रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। लेन-देन में सावधानी आवश्यक है।

धनुः- मेहनत का फल पूरा-पूरा मिलेगा। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। पार्टनरों का सहयोग प्राप्त होगा। मित्रों व संबंधियों की सहायता कर पाएंगे। मान-सम्मान मिलेगा। कारोबार से लाभ वृद्धि होगी।

मकरः- भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। आत्मसम्मान बना रहेगा। कोई बड़ा कार्य व लंबे प्रवास का मन बनेगा।

कुंभः- यात्रा लाभप्रद रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। निवेश शुभ रहेगा।

मीनः- आर्थिक परेशानी आ सकती है। फालतू खर्च होगा। समय पर व्यवस्था नहीं होगी। आशा-निराशा के भाव रहेंगे।

ऑस्ट्रेलिया में करीना कपूर को फैंस ने गिफ्ट की तैमूर की पेंटिंग

करीना कपूर और सैफ अली खान के बेटे तैमूर अली खान की लोकप्रियता न केवल भारत में है बल्कि देश से बाहर भी है। हाल ही में करीना कपूर ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में एक कार्यक्रम में हिस्सी लेने पहुंची थीं। यहां पर फैंस के एक ग्रुप ने उन्हें तैमूर की एक पेटिंग गिफ्ट की। इसका विडियो सोशल

मीडिया पर वायरल हो रहा है। बता दें कि इससे पहले करीना कपूर ने मेलबर्न में टी-20 वर्ल्ड कप ट्रॉफी का अनावरण किया था। कार्यक्रम के दौरान करीना कपूर काफी खूबसूरत नजर आ रही थी। ऑस्ट्रेलिया में इस कार्यक्रम में शामिल होने से पहले करीना कपूर तैमूर को सैफ अली खान के पास दिल्ली में छोड़ कर आई थीं। सैफ अली खान इस समय अपने फिल्मी प्रॉजेक्ट के चलते दिल्ली में हैं। वहीं, करीना कपूर ने अपनी टीम के साथ ऑस्ट्रेलिया में घूमते नजर आईं। वर्कफ्रंट की बात करें तो करीना कपूर जल्द ही डायरेक्टर राज मेहता की फिल्म गुड न्यूज में अक्षय कुमार के साथ नजर आएंगी। इस फिल्म में दिलजीत दोसांझ और कियारा आडवाणी भी हैं। यह फिल्म 27 दिसंबर को रिलीज होगी।

दीवाना मस्ताना के दूसरे पार्ट में अनिल-गोविंदा के साथ दिखेंगे जॉन अब्राहम

साल 1997 में आई अनिल कपूर और गोविंदा की हिट फिल्म दीवाना मस्ताना का दूसरा पार्ट बनेगा, जिसके बारे में अनिल कपूर ने एक रिऐल्टी शो में हिंट दी थी। अब बताया जा रहा है कि इस मूवी में जॉन अब्राहम भी दोनों ऐक्टर्स के साथ स्क्रीन शेयर करते नजर आने वाले हैं। दरअसल, एक शो के दौरान इन दोनों सितारों की काफी लंबे समय बात मुलाकात हुई थी। मिलने की खुशी इनके चेहरे पर साफ दिखाई दे रही थी। इसी दौरान अनिल ने गोविंदा के काम की तारीफ की और कहा कि उन दोनों की फिल्म दीवाना मस्ताना का दूसरा पार्ट आएगा। ऐक्टर ने यह भी कहा कि इस दूसरे पार्ट में गोविंद और उनके साथ जॉन अब्राहम भी अहम रोल निभाते दिखेंगे।

मकई टोस्ट बनाने की विधि...

आवश्यक सामग्री :

2 कप उबला हुआ मकई

2 हरी मिर्च

आधा चम्मच अदरक - लहसुन का पेस्ट

आधा चम्मच काली मिर्च पाउडर

1चम्मच नमक

1चम्मच अमचूर पाउडर

2 चम्मच हरा धनिया

1कप ब्रेड पाउडर दरदरा पीसा हुआ

1चम्मच चिली फ्लैक्स

3 चम्मच तेल

6 स्लाइस ब्रेड किनारा कटा हुआ

बनाने की विधि :

आइए जानते हैं बनाने का तरीका एक मिक्सी के जार में उबला हुआ मकई को पीस लें और एक बाउल में डालें फिर सभी सामग्री को डालकर अच्छी तरह से मिक्स करें। अब सभी ब्रेड स्लाइस में 2 -2 चम्मच मकई का पेस्ट लगाकर रखें।

फिर एक नॉन स्टिक पैन गरम करें और आधा चम्मच तेल डालकर पेस्ट वाली साइड से तवा में डालें और धीमी आंच पर पकने दें फिर थोड़ी देर बाद पलट दें और अच्छी तरह सेंक कर पकाएं फिर गरमा गरम सॉस या चटनी के साथ सर्व करें। आपको हमारा रेसिपी अच्छा लगा तो लाइक करना ना भूलें थैंक यू।

शब्द सामर्थ्य- 38

बाएं से दाएं

1. अभिमान, घमंड, अनुमान 4. बादल, मेघ, जलद (सं) 6. अधिकार वाला, अधिकारी 8. गति, सामंजस्य, समा जाना 10. कारावास, जेल 11. जोर, शक्ति, जान, सांस 12. राजाओं के रहने का भवन 15. मालामाल, अमीर, धनवान 18. नाव खेने का यंत्र 20. 'खन' ध्वनि उत्पन्न होना, पायल आदि का शब्द करना 21. मार डाला हुआ, घायल किया हुआ 22. हमेशा, आवाज 23. आग की लपट, ज्वाला 24. झगड़ा, तकरार 25. हीरा।

ऊपर से नीचे

1. दोषी, अपराधी 3. ताश में नौ अंक वाला पत्ता 4. झंडा, पताका 5. गहरा कीचड़, पंक 7. बूंद, अंश 9. मृत्यु के देवता 13. संसार, दुनिया, जग 14. हुजूर, जनाब, सम्मान सूचक एक शब्द (उ.) 16. सच्चा, धर्मनिष्ठ, ईमानवाला 17. अनूठा, बांका, अनुपम, छैला 18. आश्रय, शरण 19. साधुवाद, प्रशंसा 20. पटवारी की ऐसी बही जिसमें खेत संबंधी अनेक बातें लिखी जाती है, एक प्रकार का दानेदार संक्रामक रोग 23. गम, मातम, दुख।

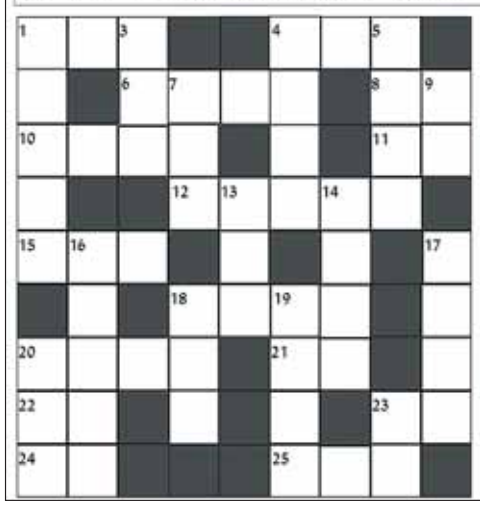

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 37 का हल

स्मृ	ति		पा	व	क		बे	ल
	र	ज	नी	च	र			टट्टू
मु	स्का	न		न	म	की	न	
सा	र		स			ट	ख	ना
फि		अ	जा	य	ब		रा	जा
र	च	ना		था	ल			य
		धि		र्थ		स	मा	ज
उ	प	कृ	त		आ	वा	ज	
ल्लू		त			ब	ल	रा	म

सू-दोकू- 38

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र[ख] सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.37 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6